प्रेस विज्ञप्ति

आईआईटी मंडी के विद्यार्थियों ने क्लबों के अभिनव कार्यक्रमों और समुदाय से जुड़ने के विशेष अभियान का आयोजन किया

आईआईटी मंडी ने 30–31 मार्च को एस्ट्रैक्स '19, ट्रेल्स '19 और स्वच्छता अभियान का आयोजन किया

मंडी, 4 अप्रैल, 2019 : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी ने विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों का अनुभव देकर उनके व्यक्तित्व के संपूर्ण विकास के लक्ष्य से एस्ट्रैक्स '19, ट्रेल्स '19 और स्वच्छता अभियान का आयोजन किया। आईआईटी मंडी में विद्यार्थियों के लिए कई क्लब हैं जो उनके लिए सीखने का अनुभव दिलचस्प बनाते हैं। अन्य संस्थानों के ऐसे क्लबों से प्रतिस्पर्धा करने का अवसर भी देते हैं।

दो दिन का इंटर–कॉलेज एस्ट्रो–मीट, एस्ट्रैक्स '19 का आयोजन आईआईटी मंडी के स्पेस टेक्नोलॉजी और एस्ट्रोनोमी सेल ने किया। इसमें देश और दुनिया से आए विशेषज्ञों की एक विचार गोष्ठी 30 और 31 मार्च 2019 को आयोजित की गई।

इस अवसर पर आईआईटी मद्रास के शिक्षक डॉ. चंद्रकांत मिश्रा भी उपस्थित थे। डॉ. मिश्रा 2017 के नोबल पुरस्कार विजेता शोधपत्र (बाइनरी ब्लैक होल मर्जर से ग्रैविटेशनल वेव्स के अवलोकन) में भारतीय सहयोगी हैं।

इस आयोजन में विद्यार्थियों को साइंटिफिक कोलैबरेशंस ऑफ ग्रैविटेशनल वेव डिटेक्टर लेज़र इंटरफेरोमीटर ग्रैविटेशनल–वेव ऑब्ज़र्वेटरी (लीगो) लीगो इंडिया, एस्ट्रोनोमिकल सोसायटी ऑफ इंडिया, यूरोपीयन स्पेस एजेंसी और नेशनल एयरोनॉटिक्स एण्ड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) के बारे में खुद सीखने–समझने का अवसर मिला।

एस्ट्रैक्स '19 के आयोजन पर डॉ. अर्णव भावसर, शिक्षक सलाहकार, स्पेस टेक्नोलॉजी एवं एस्ट्रोनोमी सेल और एसिस्टेंट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ कम्प्युटिंग एण्ड इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, आईआईटी मंडी ने कहा, ''एस्ट्रैक्स '19 का आयोजन करना आईआईटी मंडी के स्पेस टेक्नोलॉजी एण्ड एस्ट्रोनोमी क्लब (एसटीएसी) के लिए बड़ी उपलब्धि है। एसटीएसी के सदस्य विद्यार्थियों के कार्यों की अब देश और दुनिया में पहचान है। विद्यार्थियों के निरंतर प्रयास और उत्साह ने उन्हें जाने–माने वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को इस मंच पर आमंत्रित करने में सफल बनाया और वे एस्ट्रैक्स जैसा बड़ा आयोजन करने में कामयाब रहे हैं। मुझे विश्वास है एसटीएसी अन्य कई क्षेत्रों में गतिविधियों का विस्तार करेगा जैसे आब्जर्वेशनल और रेडियो एस्ट्रोनोमी के साथ–साथ एस्ट्रोनोमी एवं एस्ट्रोफिजिक्स में डाटा विज्ञान का उपयोग, जो तेजी से उभरता विषय है। हम इस क्लब को निरंतर सहयोग और प्रोत्साहन देने के लिए आईआईटी मंडी का धन्यवाद ज्ञापन करते हैं। इससे विद्यार्थियों को एस्ट्रोनोमी और स्पेस टेक्नोलॉजी में अपने जुनून को पूरा करने का उत्साह मिला है।''

आयोजन के मुख्य वक्ता थे :

डॉ. चंद्रकांत मिश्रा, एसिस्टेंट प्रोफसर, आईआईटी मद्रास जो लीगो इंडिया के सदस्य हैं। उन्होंने 'ब्लैक होल्स और न्यूट्रॉन स्टार्स' पर व्याख्यान दिया।

डॉ. रेडुवेन बोमगर, डाटा वैज्ञानिक, यूरोपीयन स्पेस एजेंसी और एआई और रोबोटिक्स मेंटर, नासा फ्रंटियर डेवलपमेंट लैबरोटरी के व्याख्यान का विषय था 'अंतरिक्षयान के कार्य परिचालन में मशीन लर्निंग किस तरह अच्छे वैज्ञानिक डाटा प्राप्त करने में सहायक है'?

डॉ. नंदीवड़ा रत्नश्री, निदेशक, नेहरू प्लैनेटेरियम, दिल्ली ने 'एस्ट्रोनोमी डाटा विजुअलाइजेशन इन प्लैनेटेरियम डोम्स/ सॉफ्टवेयर और जंतर–मंतर ऑब्जर्वेशन' पर व्याख्यान दिया।

श्री जुआन लुइस कैनो रॉड्रिग्ज़, एस्ट्रोस्पेस इंजीनियर, सैटेलॉजिक एवं पायथन प्रोफेसर, इंस्टीट्यूटो इम्प्रेसा और बार्सीलोना टेक्नोलॉजी स्कूल ने 'ओपन सोर्स इन द स्पेस इंडस्ट्री, ओपन सोर्स कम्युनीटीज़, द इम्पोर्टेंस ऑफ ओपन सोर्स साइंस' पर व्याख्यान दिया।

ये व्यख्यान ग्रैविटेशनल फिजिक्स में बेहतर कॅरियर के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए बहुत सहायक हैं।

इन व्याख्यानों के अतिरिक्त कई प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इनमें आईआईटी रुड़की, आईआईएसईआर मोहाली, पीईसी और अन्य कई कॉलेजों के विद्यार्थियों की उत्साहवर्द्धक भागीदारी देखी गई। आयोजन का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू स्पेस डेवलपमेंट नेक्सस का सेटेलाइट तकनीक एवं अंतरिक्ष संचार पर वर्कशॉप था। इसमें विद्यार्थियों को सेटेलाइट मिशनों के विज्ञान से रू–ब–रू कराया गया।

माउंटेन बाइकिंग ईवेंट – ट्रेल्स '19

आईआईटी मंडी के माउंटेन बाइकिंग क्लब ने संस्थान के सहयोग से 30 और 31 मार्च 2019 को दो दिन का माउंटेन बाइकिंग कार्यक्रम, ट्रेल्स '19 पेश किया। यह खुली प्रतिस्पर्धा बिगनर्स के लिए 5 किमी, मध्यम स्तर के राइडरों के लिए 20 किमी और एक्सपर्ट के लिए 48 किमी. की रेस थी। आईआईटी मंडी के विद्यार्थियों और कार्मिकों को मिला कर कुल 40 प्रतिभागियों ने इस आयोजन में भाग लिए।

इस प्रतिस्पर्धा के जोखिमों का ध्यान रखते हुए राइडरों की सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए। प्रतिभागियों के पीछे प्राथमिक चिकित्सा पेटी के साथ एक वाहन और मैकेनिक भेजने की व्यवस्था की गई। रेस के दौरान सभी प्रतिभागियों के लाइव लोकशन की निगरानी रखी गई ताकि जरूरत हो तो अतिरिक्त सुरक्षा दी जा सके। प्रतिस्पर्धा को सफल बनाने में कई वॉलेंटियरों का बड़ा योगदान रहा जो राइडरों की सुरक्षा के लिए उन्हें विपरीत दिशा से आने वाली ट्रैफिक की जानकारी देते रहे।

आईआईटी मंडी स्वच्छता अभियान

भारत सरकार के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तहत आईआईटी मंडी में बी. टेक. प्रथम वर्ष के 45 विद्यार्थियों ने मंडी (हिमाचल प्रदेश) में पंचवक्त्र मंदिर और शिव बावड़ी में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया। अभियान का मार्गदर्शन डॉ. सुमीत सिन्हा राय, सह–सलाहकार, एनएसएस–मंडी और एसिस्टेंट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, आईआईटी मंडी और श्री प्रतीक पठानिया, कार्यालय सहायक, एनएसएस–मंडी ने नगर निगम मंडी के सहयोग से किया।

स्वच्छता अभियान के बारे में डॉ. सुमीत सिन्हा राय, सह–सलाहकार, एनएसएस–मंडी और एसिस्टेंट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, आईआईटी मंडी ने कहा, ''हम ने मंडी और आसपास के क्षेत्रों को

प्लास्टिक मुक्त करने के प्रयास के तहत यह स्वच्छता अभियान आयोजित किया है। मुझे अपने विद्यार्थियों पर गर्व है जो इस मिशन को जारी रखेंगे जिसका मुझे विश्वास है।''

श्री बी. आर. नेगी, कार्यकारी अधिकरी और श्री प्रदीप दीक्षित, स्वच्छता अधिकारी, नगर निगम मंडी भी स्वच्छता अभियान के कार्य स्थल पर मौजूद थे। स्वच्छता अभियान के आयोजन के लिए वीर मंडल, खत्री सभा यूथ विंग और व्यापार सभा ने मिल कर आर्थिक सहयोग दिए।

###

आईआईटी मंडी का परिचय (http://www.iitmandi.ac.in/)

आईआईटी मंडी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी शिक्षा, ज्ञान सृजन एवं इनोवेशन के क्षेत्र में तेजी से उभरता एक प्रमुख संस्थान है। जुलाई 2009 में विद्यार्थियों के पहले बैच से आरंभ कर आज आईआईटी के लिए 1,300 विद्यार्थी, 110 फैकल्टी, 150 स्टाफ होना बड़ी उपलब्धि है। इसके विद्यार्थियों में 274 पीएचडी, 46 एमएस और 17 आई–पीएच.डी. रिसर्च स्कॉलर हैं। संस्थान के पूर्व विद्यार्थियों की संख्या बढ़ कर 850 हो गई है।

संस्थान बी.टेक./ एम.टेक./एम.एससी. एवं एम.एस/पीएच.डी. के विद्यार्थियों की संख्या बढ़ा कर 2029 तक 5,000 करने का लक्ष्य रखता है। आईआईटी मंडी एक पूर्ण आवासीय संस्थान है जिसके सभी विद्यार्थियों और 95 प्रतिशत शिक्षकों का कैम्पस के अंदर निवास होगा। साथ ही, 1.5 लाख वर्ग मी. निर्माणाधीन है।

सन् 2010 से अब तक आईआईटी मंडी के शिक्षक 85 करोड़ रु. से अधिक के लगभग 180 प्रोजेक्ट हासिल कर चुके हैं। स्थापना के केवल एक दशक की अवधि में संस्थान के कामंद स्थित कैम्पस में कई लैब और शोध केंद्र स्थापित किए गए हैं। लगभग 50 करोड़ के निवेश से स्थापित एडवांस्ड मटीरियल्स रिसर्च सेंटर (एएमआरसी) में मटीरियल्स के गुणों के वर्गीकरण (कैरेक्टराइजेशन) के लिए आवश्यक आधुनिक उपकरण हैं जिनका लाभ दवा आपूर्ति, विद्युत, इलैक्ट्रॉनिक्स एवं जीव वैज्ञानिक उपयोगों में होगा। सन् 2013 में गठन के समय से अब तक एएमआरसी ने 200 से अधिक शोध पत्रों के प्रकाशन में योगदान दिया है। आईआईटी मंडी में शोध के लिए 'क्लास 100 क्लीन रूम' जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं हैं। यह भारत का पहला और विश्व स्तरीय केंद्र है। 2017 में भारत सरकार के जैवतकनीकी विभाग ने आईआईटी मंडी को 10 करोड़ रु. के प्रतिष्ठित फार्मजोन प्रोजेक्ट के नेतृत्व के लिए चुना।

संस्थान में आपस में जुड़े विषयों के अध्ययन–अध्यापन का परिवेश है जो डिज़ाइन–ओरियंटेड है। बी. टेक. के पाठ्यक्रम में पहले साल से चौथे साल तक रीयल–वर्ल्ड टीम प्रोजेक्ट पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। समाज की जरूरतों के मद्देनजर टीम भावना से काम करने पर जोर दिया जाता है। आईआईटी मंडी के पाठ्यक्रम का एक अभिन्न अंग मानवीकी है जो इसे समाज के अधिक करीब रखता है। जर्मनी में टीयू 9 के साथ मई 2011 से आईआईटी मंडी के कई सहमति करार पर कार्य जारी हैं। अमेरिका के वॉरसेस्टर पॉलीटेक्निक इंस्टीट्यूट के विद्यार्थी 2013 से हर वर्ष आईआईटी मंडी आते हैं।

सन् 2016 में आरंभ आईआईटी मंडी का कैटलिस्ट हिमाचल प्रदेश का पहला टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्युबेटर है। आईआईटी मंडी की एक अन्य पहल 'इनेबलिंग वीमेन ऑफ कामंद' (ईडब्ल्यूओके) का मकसद महिलाओं को ग्रामीण स्तर के कारोबार शुरू करने के लिए कौशल प्रशिक्षण देना है।

Media contact for IIT Mandi:

IIT Mandi Media Cell - mediacell@iitmandi.ac.in/ Landline: 01905 267832

Akhil Vaidya – Footprint Global Communications
Cell: 9882102818 / Email ID: akhil.vaidya@footprintglobal.com
Samriddhi Bhal - Footprint Global Communications
Cell: 7905887524 / Email: samriddhi.bhal@footprintglobal.com
Palak Sakhuja - Footprint Global Communications
Cell: 9582338333 / Email: palak.sakhuja@footprintglobal.com
Shoma Bhardwaj - Footprint Global Communications
Cell: 9899960763/ Email: shoma.bhardwaj@footprintglobal.com

Bhavani Giddu - Footprint Global Communications
Cell: 9999500262 / Email: bhavani.giddu@footprintglobal.com